21.10.08

स्वास्थ्य मेला का आयोजन

सिकन्दरा, निज प्रतिनिधि : जनप्रगति संस्थान की ओर से स्वास्थ्य मेला कार्यक्रम के तहत सोमवार को 10 दिवसीय दंत चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रभारी परियोजना पदाधिकारी शिवशंकर सिंह, एलएम के जर्मनी की अध्यक्षा मैरी वहन एवं संस्थान के सचिव राजाराम केशरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रभारी परियोजना प्रबंधक द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार जर्मनी की समाजसेवी मैरी बहन के सहयोग से एक बार पुनः सिकन्दरा प्रखंड क्षेत्र में जर्मन चिकित्सकों की टीम के द्वारा दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। दंत चिकित्सा शिविर के उद्घाटन समारोह के अवसर पर जर्मनी के प्रख्यात चिकित्सक डा. हेनरिक, बचपन बचाओ आन्दोलन के राष्ट्रीय सचिव विनय सिंह, संस्था के पूर्व सचिव एतवारी राय, चन्दन कुमार, रामकृष्ण महतो समेत संस्थान के सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

है कि बिना पैसे की बात नहीं करने करने वाले पोस्टमास्टर आज घर आकर निःशुल्क खाता दे गये। मुंशी हांसदा एवं संझली सोरेन जागरण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि डाकघर में फटकारने वाले डाकबाबू जागरण में खबर छपते ही घर आकर प्यार से समझा रहे थे। और बोल रहे थे कि अब खाता खोलने में किसी को पैसा नहीं लगेगा। लखन सोरेन एवं चुरकी मुर्मू ने बताया कि जागरण के चलते हम गरीब

की ओर से बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ 10 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में दान दिया गया। संस्था के सचिव श्यामल घोष ने कहा कि दान दी गयी राशि संस्था के स्कूल सिमुलतला, कर्णगढ़, सपहा व नीनतारा के बच्चों के अलावा संस्था में कार्यरत सदस्यों के एक दिन के मानदेय जमा करने के उपरांत संग्रहित हुए। श्री घोष ने आम लोगों से भी अपील किया है कि यथा संभव मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में दान दें।

के आधार पर शिक्षकों
तो नियुक्त शिक्षकों क
प्रभाव से समाप्त कर
सूचना अधोहस्ताक्षरी व

इसके बावजूद भी
के कई पंचायतों में पं
शिक्षक के रुप में कई
शिक्षक अपने पद पर
विभाग इस पर कार्रवाई
वेतन दे रही है।

क्षेत्र में नक्सलियों व अपराधियों का

अलीगंज, निज प्रतिनिधि : इन दिनों अलीगंज प्रखंड में नक्सलियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। नक्सली संगठन वारदात को अंजाम देकर सुरक्षित निकल जाते हैं और पुलिस देखते रह जाती है। अलीगंज में प्रतिबंधित नक्सलियों ने उड़हुआ बाबा मजार के समीप ईटाबांध जैसे गांव को अपना सुरक्षित ठिकाना बना रखा है। वर्तमान समय में प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में इनकी सरगर्मी देखी जा रही है। एसटीएफ, सीआरपीएफ, सैप के साथ-साथ स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया था परंतु नतीजा सिफर ही निकला जबकि ग्रामीण बताते हैं कि इन गांवों में नक्सलियों व अपराधी सरगनाओं ने अपना सुरक्षित ठिकाना बना रखा है। इन जगहों पर इन नक्सलियों द्वारा जन अदालत लगाकर लोगों को दंडित करना तथा प्रशिक्षण शिविर चलाने की भी सूचना प्राप्त हो रही है परंतु स्थानीय पुलिस इन बातों से अनजान दिख रही है। पिछले दिनों हुई नक्सली वारदात की सूचना पर पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान चलाकर अपनी सक्रियता दिखाई परंतु नक्सली वहां से भागने में सफल रहे। पिछले दिनों गोखुला गांव निवासी रामबालक प्रसाद के पुत्र राजीव कुमार उर्फ अजय को अपहरण 13 अक्टूबर को अपराधियों द्वारा किया गया परंतु अब तक पुलिस अपहृत को बरामद नहीं कर सकी है । पुलिस के इस ढुलमुल रवैये से स्थानीय नागरिकों में असुरक्षा का भय उत्पन्न हो गया है जिससे अलीगंज बाजार की दुकानें शाम ढलते ही बंद हो जाती है। बीते दिनों अवधेश मांझी को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं मजार पर पूजा करने गये खलासी को अपहरण कर लिये जाने के बाद इलाके में दहशत व्याप्त है। इधर

Sl.	
1.	

अभिवंचित वर्ग की बालिकाओं को विद्यालयी शिक्षा से जोड़ें

गिद्धौर, निज प्रतिनिधि : अभिवंचित वर्ग के बच्चों के बीच शिक्षक घर जैसा माहौल तैयार कर आनन्ददायी शिक्षा देने का प्रयास करें जिससे प्रथम पीढ़ी के बच्चों को विद्यालयी शिक्षा से जोड़ा जा सके। उपरोक्त बातें रविवार को प्रखंड के रतनपुर पंचायत अंतर्गत बाजाडीह में पंचायत आवासीय बालिका उत्प्रेरण केन्द्र में स्वयं सेवकों व संकल्प प्रखंड कोर दल सदस्यों को समर्पित भाव से कार्य के लिए प्रेरित करते हुए पंचायत प्रखंड नगर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आनन्द कौशल सिंह ने कही।

- **उत्प्रेरण केन्द्र के सेवकों ने लिया बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का संकल्प**

श्री सिंह ने मौके पर उपस्थित केन्द्र के स्वयं सेविकाओं व संकल्पकर्मियों से कहा कि केन्द्र में पढ़ने वाले बच्चे जो कि अब तक प्राथमिक शिक्षा से दूर थे उन्हें निर्धारित अवधि में हर संभव प्रयास कर निर्धारित दक्षता प्रदान करें जिससे अभिवंचित वर्ग के बालिकाओं को शीघ्र विद्यालयी शिक्षा से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान द्वारा बालिकाओं के लिए मुहैया करायी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ उन्हें प्रदान करने हेतु केन्द्र संचालित में लगे लोगों को प्रेरित किया। इस मौके पर उपस्थित प्रखंड कोर दल के सदस्य दिनेश रजक व मंटू मंडल ने केन्द्र में पढ़ रही बालिकाओं को स्वच्छता व व्यवहारिक ज्ञान को लेकर प्रशिक्षित किया तथा केन्द्र के स्वयं सेविकाओं को भी बच्चियों को आनंददायी शिक्षा प्रदान करने के कई उपाय सुझाये। इस अवसर पर सीआरसीसी अवध किशोर सिंह, स्वयं सेविका मधु कुमारी, अर्पना सिन्हा, शिखा कुमार आदि उपस्थित थीं।

बैठक में अनुदान की राशि को ले कृषकों की सूची तैयार

गिद्धौर, निज प्रतिनिधि : प्रखंड अंतर्गत कोल्हुआ पंचायत भवन में कृषकों की एक आमसभा मुखिया महेन्द्र साह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। आमसभा में वर्षा के अभाव के कारण पंचायत के कृषकों का धान फसल बचाने हेतु डीजल चालित नलकूपों के लिए सरकार के निर्देशानुसार डीजल पर दी जाने वाली अनुदान की राशि के लिए कृषकों की सूची तैयार की गयी। इस मौके पर आम सभा में पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शैलेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत के कृषकों को धान फसल के पटवन हेतु प्रति एकड़ 150 रुपये की दर से डीजल अनुदान की राशि दी जायेगी।

श्री कुमार ने बताया कि कोल्हुआ पंचायत में 416 एकड़ धान की फसल पटवन के लिए कृषकों के बीच कुल 62 हजार 500 सौ रुपये बांटे जायेंगे। उन्होंने बताया कि गिद्धौर प्रखंड के आठ पंचायतों में किसानों के धान फसल को बचाने के लिए डीजल की अनुदान राशि कुल पांच लाख रुपये आवंटित की गयी है जिसे संबंधित पंचायत के मुखिया द्वारा आम सभा में किसानों का चयन कर यह राशि बांटी जायेगी। आमसभा में रोजगार सेवक के अलावे सैकड़ों कृषक उपस्थित थे।

बैटरी चोरी का मामला दर्ज

सोनो, निज प्रतिनिधि : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सरधोडीह-डुमरी पथ निर्माण में लगी पिचिंग मशीन की बैटरी शनिवार को चुरा ली गयी। इस संबंध में संवेदक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव की लिखित शिकायत पर सोनो थाने में एक मामला दर्ज कराया गया है। मशीन की

बिहार

मानव संसाधन वि

बिहार राज्य के प्रतिभावान
से सम्मानित करने के र

राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2008-09 में अ
परीक्षा, संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा, ओलंपियाड एवं
एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त व
जाने का निर्णय लिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत बिहार राज्य के मूल नि
निम्नांकित प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जायेगा :-

* इस योजनान्तर्गत अखिल भारतीय सेवाओं एवं II
प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को रु. 1,0
गौरव का सम्मान प्रशस्ति पत्र के साथ दिया जाये
में जगह पाने वाले बिहारी अभ्यर्थियों को रु. 50,
से सम्मानित किया जायेगा।
* अखिल भारतीय स्तर के अन्य प्रतियोगिता परीक्ष
NDA/ CBSE Eng. आदि में प्रथम तीन स्थान
50,000/- (पचास हजार) एवं बिहार गौरव का स
* बिहार राज्य स्तर पर आयोजित संयुक्त प्रतियो
परीक्षा में प्रथम तीन स्थान में जगह प्राप्त करने
हजार) एवं सम्मान प्रदान किया जायेगा।
* CBSE/ICSE द्वारा आयोजित माध्यमिक (10th)
पांच स्थान वाले प्रत्येक बिहारी छात्र को रु. 2
सम्मान दिया जायेगा।
* इसके अतिरिक्त गणित/ विज्ञान औलंपियाड में
50,000/- (पचास हजार) नगद पुरस्कार एवं सम्मा

बिहार गौरव से सम्मानित होने हेतु इच्छुक अभ्यर
सर्टिफिकेट एवं तत्संबंधी संस्थान में नामांकन से संबं
दूरभाष/ मोबाइल नम्बर के साथ आवेदन दिनांक-2
बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना-17 के काय

und mobilen Kulissen ist Pianolehrer Miklós Vajna verantwortlich.

Im Saal blitzen die Fotoapparate, Camcorder surren, was den vierjährigen Lucas aber nicht weiter beeindruckt. Nach drei Liedern verlässt der Knirps kurzentschlossen die Bühne: „Mama, meine Füße tun

Anwesenden versprochen – und genau das bekommen sie auch.

Das Nachwuchsorchester interpretiert „Let it snow", großes Orchester und Gesangsensemble begeistern mit Bachs „Jesu bleibet meine Freude" und die vielköpfige Gitarrenklasse entführt mit sanften Klän-

Keyboardgruppe bietet ein Kontrastprogramm mit dem besinnlichen „Schlafe mein Prinzchen" und dem feurig-lateinamerikanischen „Feliz Navidad".

Selbst an die Überbrückung der Umbaupausen wurde gedacht: Maximilian Stössel, Schüler von Catrin Müllers Ge-

bells" und „Alle Jahre wieder" ein und Runár Emilsson überreicht seinem einsatzfreudigen Pädagogenteam ein kleines Weihnachtspräsent. Nicht zu vergessen die Jugendkunstabteilung unter Leitung von Ulrike Schuck, in deren Arbeit ebenfalls ansprechende Einblicke gegeben wurden.

60 Handpuppen treten die Reise nach Indien an

Weltweit Wichteln in der Schillerschule für die Mädchenschule in Khadigram – Kinder lernen einiges über die fremde Kultur

Backnang – Aufregung in der Schillergrundschule: Marianne Frank-Mast hat sich angekündigt. Handpuppen, gefertigt mit viel Liebe von 60 Kindern der zweiten und dritten Klasse wurden ihr feierlich überreicht. Bestimmt sind sie für die von Frank-Mast gegründete Mädchenschule in Indien. Bereits zum dritten Mal fand das Projekt des weltweiten Wichtelns zwischen den Schülern aus Backnang und Khadigram in Nordindien statt.

VON SABINE KAESSER

Erzählte den Kindern eine Geschichte und berichtete vieles über das Land und die Menschen: Marianne Frank-Mast. Foto: E. Layher

„Psssst! Geht bitte ganz leise in den Musiksaal", forderte Eva Glück die Kinder auf. Gespannt waren sie, wie würde Frau Mast aussehen, wie auf die geduldig gebastelten Wichtelgeschenke reagieren und vor allen Dingen, was würde sie, die Indienkennerin aus dem fernen Land erzählen?

„Vielleicht erinnert die Geschichte Euch an etwas, das Ihr kennt", begann die Gründerin der Mädchenschule ihre Erzählung. Sie schilderte den Kindern an diesem frühen Morgen die Geschichte eines Königs, der um seine Macht fürchtete und deshalb Knaben ermorden lies. Es handelte sich um die Geschichte von Gott Krishna. Klar, melden sich einige Kinder und zogen den ihnen bekannten Vergleich aus der Bibel. Auch in anderen Religionen gibt es ähnliche Überlieferungen. „Eines kennen die Hindus allerdings nicht: Weihnachten", fährt sie fort, „an dem Fest Divali beschenken sich die Menschen auch mit Süßigkeiten oder Kleidung".

Seit sie in den Siebzigerjahren als Entwicklungshelferin tätig war, ist Frank-Mast und Indien untrennbar verbunden, wie es scheint. Die Kultur und die Menschen, insbesondere die Mädchen haben es ihr angetan. Seit 2003 gibt es einen eingetragenen Verein und Frank-Mast hat wie auf der Website eindringlich zu sehen ist, vieles geschaffen. Unermüdlich arbeitet sie weiter an der (Aus-)Bildung der Mädchen. Die Bildung der Frauen ist die Stellschraube für das Wissen um gesunde Ernährung, Lebensweise, Bildung für deren Kinder und etwa Geburtenkontrolle. „Auch bei uns sind früher die Mädchen nicht zur Schule gegangen", erfuhren besonders die erstaunten und kichernden Jungs.

„Danke für Eure schönen Puppen". Jede Puppe ist noch mit einem Foto versehen – etwas ganz Besonders für die indischen Schülerinnen. Die Mädchen in Indien werden sich sehr freuen, auch wenn sie in ihrem bisherigen Leben das Spielen noch gar nicht gelernt haben. Schwer arbeiten müssen schon die Kleinsten. Ebenso war ihnen das Basteln fremd. „Erst nach und nach haben sie das Spielen quasi gelernt."

Die Kinder in Backnang erhalten beim nächsten Besuch im Gegenzug auch Püppchen, deren Zutaten, die Garne, Spitze oder Wolle stammen aus New Delhi. Die Schule in Khadigram lehrt die Mädchen in drei Jahren Hindi (da sie unterschiedliche Dialekte sprechen), das Lesen, Schreiben und Rechnen. „Kannst Du uns was auf Indisch sagen", lockte Nico. Und Frank-Mast, die Hindi sehr gut beherrscht, tut ihm den Gefallen. „Sie hat dich auch gefragt, wie Du heißt", kichert eine kleine Schlaue aus dem Stuhlkreis, als der Junge nicht sofort auf die fremde Sprache reagierte.

Dass Sauberkeit wichtig ist und wie ein Ästchen zur Zahnbürste wird erfahren die Schüler. Wie sich Männer rasieren, wollen sie noch wissen. Eine spannende Frage, da der Barbier nicht nur fürs Haar zuständig ist, sondern, da kein Geld für einen Arzt vorhanden ist, auch gleich noch mit einer Zange kaputte Zähne zieht.

Viele Gedanken und Wünsche der Kinder reisen mit jedem einzelnen Geschenk mit nach Indien. Sie haben einiges über die fremde Kultur gelernt und erfahren wie reich und einfach unser Leben dagegen ist.